<u>बिसेसन</u>

जे सबद संइगा चाहे सरबनामेक गुन भाभ बतवे हे ओकरा बिसेसन कहल जा हइ। जेरकम – ई फूल टा 'सुंदर' हइ। हियां सुंदर टा बिसेसन लागइ।

<u>पटतइर</u>

- बेस – ई बेस छउवा हइ।
- करिया – ओकर घोडा टा करिया हइ।
- सुंदर – ई मउनी कते सुंदर हइ।

खोरठा भाखाञ् बिसेसन मोटा मोटी चाइर किसिमेक हवो हइ –

1. गुन वाचक बिसेसन
2. गनती वाचक बिसेसन
3. नापजोख वाचक बिसेसन (मातरा/परिमान)
4. सरबनामिक चाहे इंगितकारी बिसेसन

1. <u>गुन वाचक बिसेसन</u> – संइगा चाहे सरबनामेक गुन–दोस, आकार, ढबधचर ,रंग–रूप ,दसा–दिसा हेन तेन बतवइया सबद गुनवाचक बिसेसन कहा हइ।

जइसन – सुंदर सुगा। पुरना बात। नावाँ जुग। चाइर कोनिया खेत। पइरकल छगरी। बुढा लोक आरो–आरो।

पटतइरः–

- बढियां – गांवेक मुखिया बढियां लोक हइ।
- जोरगर – ओकर बेटवा जोरगर हइ।
- बुइधगर – मदन एगो बुइधगर लोक हइ।
- कुचटाहा – ओकर मरदा कुचटाहा हइ।
- लोभी – लोभी लोक बडी कसट भोइग के मोरो हथ।
- करिया – करिया गाइक दूध बेसी सोवाद लागे हे।
- पीयर – बियाह घुरी केनियाइ के पीयर लुगा पिंधवल पिंधवल जा हइ।
- चेरका – तोहर चुइल टा चेरका हउ।
- ढांगा – तोर बेटा टा ढांगा हउ।
- पतर – ई गाछ टा देइरे पातर हइ।
- चेका – ई आम टा बडी चेका हइ।

2. गनती वाचक बिसेसन – जे सबद ले कोन्हो जिनीस चाहे बेगइतेक गनतीक भाभ फुरछा हइ ओकरा गनती वाचक बिसेसन कहल जा हइ।

जेरकम – "हमर ठिन दस गो कागजी लेंबू हइ।"
हियां 'दस' टा गनती वाचक बिसेसन लागइ।

<u>पटतइर</u>

- चाइर – हमर ठिना चाइर गो कमला लेंबू हइ।
- तीन – तीन गो छउवा इसकूल जाइ रहल हथ।
- कोरी – हामकिन एक कोरी छगरी हइ।
- आठ – आठ बोकला गाछे बइसल हथ।

3. <u>नाप जोख वाचक बिसेसन</u> – जे बिसेसन सबद गुला ले संइगा चाहे सरबनामेक मातारक चाहे नाप जोख के गियान हवो हइ ओकरा नाप जोख वाचक बिसेसन कहल जा हइ।

जेरंग – सेर भइर आटा , एक लीटर दूध, दू पइला चाउर , चाइर ठोंगा सतुआ, एतना, ओतना , तनिकुन जरिसुन, बेसी, कम, एकगादा , गादाकगादा, आरो–आरो।

नाप–जोख वाचक बिसेसन दू किसिम भेवे हे/हवो हइ, जे गुला हेठें उखरवल हइ –

I. <u>आबगा नाप–जोख वाचक (निश्चित)</u> :– जे बिसेसन सबद गुला ले कोन्हो जिनिसेक आबगा नाप–जोखेक भाभ फुरछा हइ ओकरा आबगा नाप–जोख वाचक बिसेसन कहल जा हइ। जइसे पाँच मन कोयला , एक पइला कुरथी , पाँच मीटर लुगा।

<u>पटतइर</u>

- एक पइला – एक पइला जोंडरा आना।
- दू मीटर – रामेक आंगायं दू मीटर लुगा माडतइ।
- दस किलो – दोकान ले दस किलो आंटा लेले आन।
- पउवा – दू पउवा चाउर दे।

II. <u>अनठेकाइर (अनिश्चित) नाप–जोख वाचक बिसेसन</u> – जे बिसेसन सबद गुला ले अनठेकाइर नाप–जोख चाहे गनतीक भाभ फुरछा हइ ओकरा अनठेकाइर नाप–जोख वाचक बिसेसन कहल जा हइ। जे रकम – तनिकुन, पानी, जरीकुन आटा, ढेइरे मछली,आरो–आरो ।

<u>पटतइर</u>

- तनिकुन – तनिकुन पानी दाय, पियास लागल हइ।
- ढेइरे – मोहना ढेइरे मछरी मारलक।
- कुछु – कुछु चाउर लइके आव,भात बनवेक हइ।
- सोब – सोब आंटा सनाइ गेलइ।

4. <u>सरबनामिक/इंगित वाचक बिसेसन</u> – जे सरबनाम सबद सइंगा ले आगु आइके ओकर बाट इंगित करो हइ ओकरा सरबनामिक चाहे इंगित वाचक बिसेसन कहल जा हइ।

जेरकम – "ई छउवा टा पइढ रहल हइ।"

हियां 'ई' छउवा बाट इंगित कइर रहल हइ जे गुना 'ई' सरबनामिक चाहे इंगित वाचक बिसेसन हइ।

<u>पटतइर</u>

- ई – ई छउंडी पइढ रहल हइ।
- ऊ – ऊ लोक गुला भाइग रहल हथीन।
- ऊ – ऊ राम हइ।

सोवाल – बिसेसन के माने बताके ओकर भेद के पटतइर दइके लिखा।

कारक

खोरठाञ् कारेकक साबदिक अरथ करवइया बा करनिहार हवो हइ। मकिन बेआकरने कारक वइसन सबद बा सबदेक टोनाक कहल जा हइ जे बइके परजोग भेल सबद गुलाक मांझे एगो लसंगता बा संबंध बताओ हइ।

जेइसे – "सिबू सोरेन सूरज मंडल तीर धनुख छाप झा॰ मु॰ मो॰ राँची छेतर लडेक नामांकन करवइला।"

उपरेक पटतइर से बाइकेक अरथ नाञ् फुरछा हइ, की ले कि बाइकेक सबद गुलाक मांझे कोन्हो नाता–गोता के टवान (पता) नाञ् चलो हइ। सइ खातिर पटतइर के इ तरी उखरवल जाइक चाही –

"सिबू सोरेन सूरज मंडल के तीर धनुख छाप से झा॰ मु॰ मो॰ लागीन राँची चुनाव छेतर ले लडेक लाइ नामांकन करवइला।"

ई तरी बाइक कहला बाइकेक अरथ फुरछा जा हइ। किलकी संइगा सबदेक रूप बदइल गेल हइ, तकर चलते बाइकेक आरो सबदेक मांझे नाता–गोता बइन गेल हइ।

खोरठाञ् कारकेक भेद बा परकार खोरठाञ् हिन्दी लखें कारकेक आठगो भेद बा किसिम पवाइ। आठो भेद के पटतइर सहित चिन्हा (विभक्ति) हेठे रकम उखरवल जाइ पारे –

कारक	चिन्हा	पटतइर
1. करता	0(सून्ना/शून्य)	मोहन कहलइ
	एं	माहनें कहलइ
2.करम	के	मोहन के कहलइ
(जिसपर क्रिया	एक	मोहनेक कहलइ
का फल पडता है)	आकार	हमरा कहलइ
3.करन	से	डांग से मारलइ
(जिससे काम हो)	एं	डांगे मारलइ
4.संपरदान	लाइ	नुनुकलाइ आनलियइ
(जिसके लिए	लागिन	नुनुक लागिन खइर–
किया जाए)		दलिअइ)
	खातिर	नुनिक खातिर
		आनलियइ।

5.आपादान (जिससे किसी वस्तु को अलग क्रिया जाय)	ले	घर ले बाहर भेलइ।
	से	ओकर से मांगलियइ।

6.संबंध	कर	ओखिनकर हकइ
	क	तोहनिक हकइ।
	एक	हमनिएक हकइ।

जइसे – क, कर, एक –

ओखनिक हकइ
ओखिनकर हकइ
ओखिनिएक
> संबंध कारकीय

लाइ , लागिन , खातिर –

तोहर लाइ
हमर लागिन
> संपरदान कारकीय

7. अधिकरन (जिससे क्रिया का आधार जाना जाए)	एं	– घरें हइ।
	आञ्	– घराञ् हइ।
	वाञ्	– घरवाञ् हइ।
	ठीन	– गछा ठीन हइ।

8. संबोधन एहो – एहो सुन ने

एगाो – एगो कने गल्ही ?

अगे – अगे कहां ही ?

अरे – अरे छोंडा

विसेसता :

(1) खोरठाञ् कारकेक परतइ सबद संगे सरल रहो हइ, अइसन भासाक संजोगी भासा कहल जा हइ।

जेरंग – राम – रामेक हकइ।

हमर – हमरा देलकइ।

हियां राम में 'एक' आर हमर मे 'आकार' चिन्हा सटल हइ।

(2) खोरठाक ढइर छेतरी रूप हइ।

स्इ खातिर एके कारके कइगो चिन्हा (विभक्ति) बा परसर्ग पावल जा हइ।

(**Note** : परसर्ग :– ये वे अक्षर हैं जो किसी शब्द आते हैं और कोई विशेषता लाते है'। जैसे – का , की , रे , ने , द्वारा , से आदि)

(3) खोरठाञ् संइगाक तीनगो रूप पावल जा हइ। जइसे घर–घरा–घरवा। तीनगो रूप हवेक चलते कारकेक विभक्तियो (चिन्हों) बदइल जा हइ।

घर – घरें (करता आर अधिकरन)
घरवा – घरवाञ् (अधिकरन)
घरा – घराञ् (अधिकरन)

(4) खोरठाञ् करता , करन , अधिकरन कारकेक कुछ चिन्हा एके रकम परजोग हवो हइ ।

बापें कहल – करता
बानें मारलइ – करन
घरें हइ – अधिकरन